



## Essay on Education System in India

### Key Points

#### **1. Introduction**

- 1) **Education** is an important activity in society, it gives an opportunity to man to understand the world around him and to develop himself.
- 2) It should develop a spirit of inquiry and rational thinking in the youth.
- 3) The Indian education system is one of the oldest education systems in the world
- 4) In India, It is the fundamental right of people aged between 6 and 14 to have compulsory education.
- 5) **74%** literacy.

#### **2. Body**

- 1) Three stages – Primary, Secondary and Higher Education.
- 2) Syllabi continued to be theoretical in nature, and irrelevant to the socio-cultural and economic contexts.
- 3) Exams, Marks, Percentage, Grades - Talent cannot be measured by marks.
- 4) Lack of infrastructure has led to the grave situation of Brain Drain Lower teacher to student ratio.
- 5) Investing less than **3** per cent of the country's GDP in education.
- 6) With education, focus should be on sports, life sciences, technology, soft skills etc.
- 7) Govt initiatives - National policy on Education (NPE). The Indira Gandhi National Open University, free education, scholarship etc.
- 8) Step should be taken to make technical and management education cost-effective.
- 9) Accountability should be laid down on the teachers, schools and managements in case of poor performance. We need to bring in the best brains in the teaching industry.

### 3. Conclusion

- 1) From Gurukul to Modern Digital schools, India's Education system has improved a lot, but there is still a long way to go.
- 2) Student's curiosity should be aroused and it should be satisfied logically and rationally so that it may encourage their sense of learning.
- 3) More expenditure and better infrastructure for education by government.
- 4) Job oriented education with focus on knowledge and skills.

## भारत में शिक्षा व्यवस्था पर निबंध

### 1. Introduction

- 1) समाज में शिक्षा एक महत्वपूर्ण गतिविधि है, यह मनुष्य को दुनिया को समझने और खुद को विकसित करने का अवसर देता है
- 2) यह युवाओं में तर्कसंगत सोच विकसित करता है
- 3) भारतीय शिक्षा प्रणाली दुनिया की सबसे पुरानी शिक्षा प्रणालियों में से एक है
- 4) भारत में, अनिवार्य शिक्षा के लिए 6 से 14 वर्ष के आयु वर्ग के लोगों का मौलिक अधिकार है।
- 5) 74% साक्षरता

### 2. Body

- 1) तीन चरण - प्राथमिक, माध्यमिक और उच्चतर शिक्षा
- 2) शैली प्रकृति में सैद्धांतिक रूप से जारी है, और सामाजिक-सांस्कृतिक और आर्थिक संदर्भों के लिए अप्रासंगिक है।
- 3) प्रतिभाओं का मापन परीक्षाएं, अंक, प्रतिशत, ग्रेड द्वारा नहीं किया जा सकता।
- 4) बुनियादी ढांचे की कमी ।
- 5) शिक्षा के क्षेत्र में देश के सकल घरेलू उत्पाद के 3% से भी कम निवेश करना।

- 6) शिक्षा के साथ खेल, जीवन विज्ञान, प्रौद्योगिकी, सॉफ्ट कौशल आदि पर ध्यान होना चाहिए।
- 7) सरकार की पहल - शिक्षा पर राष्ट्रीय नीति (एनपीई)। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, मुफ्त शिक्षा, छात्रवृत्ति आदि
- 8) तकनीकी और प्रबंधन शिक्षा लागत प्रभावी बनाने के लिए कदम उठाए जाने चाहिए।
- 9) खराब प्रदर्शन के मामले में शिक्षकों, विद्यालयों और प्रबंधन पर उत्तरदायित्व निर्धारित किया जाना चाहिए। हमें शिक्षण उद्योग में सर्वोत्तम प्रतिभा लाने की जरूरत है।

### 3. Conclusion

- 1) गुरुकुल से आधुनिक डिजिटल विद्यालयों तक, भारत की शिक्षा प्रणाली में बहुत सुधार हुआ है, लेकिन अभी भी एक लंबा रास्ता तय करना है।
- 2) विद्यार्थी की जिज्ञासा जागृत होनी चाहिए और इसे तर्कसंगत रूप से संतुष्ट किया जाना।
- 3) सरकार द्वारा शिक्षा के लिए अधिक व्यय
- 4) ज्ञान और कौशल पर ध्यान देने के साथ नौकरी उन्मुख शिक्षा।